



Ancient Vedic Mantras and Rituals





DEV PRABODHINI EKADASHI | देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व | PDF

देव प्रबोधिनी एकादशी के दिन से ही शुभ और मांगलिक कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं और इसी दिन तुलसी और शालिग्राम का विवाह भी होता है। आज के दिन कुछ ऐसी चीजें हैं जिन पर आपको ध्यान देने की जरूरत है, नहीं तो आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं देव प्रबोधिनी एकादशी पर क्या करें और क्या न करें।

देव प्रबोधिनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है क्योंकि इस दिन भगवान नारायण योग निद्रा त्याग देते हैं और सृष्टि की जिम्मेदारी लेते हैं। इसके बाद चार्तुमास समाप्त हो जाता है और शुभ और मांगलिक कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं। पुराण कहते हैं कि इस एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति जीवन-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है और वैकुंठ को प्राप्त होता है। देव प्रबोधिनी एकादशी को लेकर शास्त्रों में कुछ विशेष नियम बताए गए हैं और इन नियमों का पालन करने से आपके भाग्य में वृद्धि होगी और जीवन में सौभाग्य की प्राप्ति होगी। अगर इन नियमों की अनदेखी की गई तो आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

देव प्रबोधिनी एकादशी पर क्या करें?



- देव प्रबोधिनी एकादशी Dev Prabodhini Ekadashi के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान-ध्यान करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए और इस दिन पितरों के नाम पर दान भी करना चाहिए।
- भगवान विष्णु को पवित्र करें और आरती करें, देसी घी का दीपक जलाएं। इसके बाद विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और श्रीहरि का भजन कीर्तन भी करें।
- इसे भगवान विष्णु को अर्पित करें और इसमें गन्ना और सिंघाड़ा भी रखें।
- देव प्रबोधिनी एकादशी के दिन निर्जला व्रत रखें, कार्तिक भजन करें और दान करें।
- देव प्रबोधिनी एकादशी के दिन गाय की सेवा करें और गरीबों और जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं।

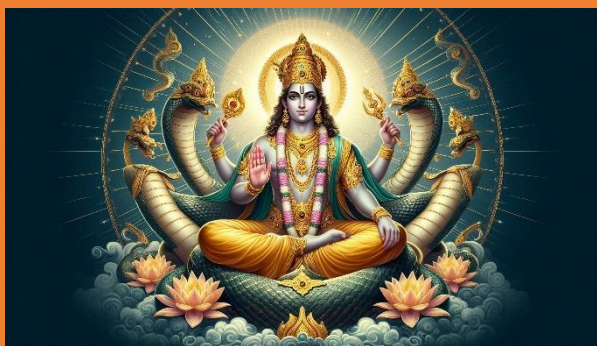
देव प्रबोधिनी एकादशी पर क्या न करें

- देव प्रबोधिनी एकादशी Dev Prabodhini Ekadashi के दौरान चावल खाने से बचना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग एकादशी के दिन चावल खाते हैं वे अगले जन्म में सरीसृप के रूप में जन्म लेंगे।
- एकादशी में घर और बाहर वाद-विवाद से बचना चाहिए और गलती होने पर भी किसी को नाराज नहीं करना चाहिए।
- एकादशी के दिन मांस और शराब का सेवन करने से बचें। इस दिन आपको तामसिक भोजन जैसे लहसुन, प्याज आदि खाने से भी बचना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं भी कर रहे हैं तो भी उस दिन सात्विक भोजन ही करें।



- देव प्रबोधिनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह होता है इसलिए इस दिन भूलकर भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।
- देव प्रबोधिनी एकादशी Dev Prabodhini Ekadashi के दिन किसी के बारे में गलत विचार नहीं रखना चाहिए। आपको पत्तागोभी, पालक आदि खाने से भी बचना चाहिए।
- एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति को बिस्तर पर नहीं सोना चाहिए। इसके अलावा आपको गलती से भी अपने नाखून या बाल नहीं काटने चाहिए।
- एकादशी के दिन कम बोलें और मानसिक रूप से भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

Related Articles



Papankusha Ekadashi



Aja Ekadashi Vrat
Katha



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com



Follow us on:

